प्रगणिता

"अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार,
इंदिरावती हा पखारय, तोर पइंया . . .
महूं पांवे परव, तोर भुइंया . . .
जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मईया"

स्मारिका

2019-20

(भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित)

गुरूकुल महिला महाविद्यालय

स्व. डॉ. अरुण कुमार सेन

संस्थापक अध्यक्ष

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, भारतीय संगीत के प्रति पूर्ण समर्पित, तपस्वी साधक एवं अंचल के उज्जवल नक्षत्र स्व. डॉ. अरुण कुमार सेन अपनी अद्‌भुत बुद्धिमता अथक परिश्रम, अविचल कर्तव्यनिष्ठा एवं स्वभावगत मधुरता के लिए एक अनुकरणीय आदर्श थे। उनके कृतित्व की स्मृति अद्यपर्यन्त चिरस्थायी है। वे एक महान संगीतज्ञ, ख्यातिलब्ध शिक्षाविद, समाजसेवी, नारी शिक्षा के प्रति सदैव समर्पित तथा नाट्य नृत्य एवं अन्य ललितकलाओं के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहें। '' कर्म ही पूजा है'' यह सूक्ति आजीवन उनकी युक्ति बनी रही।

प्रतिकूल परिस्थितियो में भी मानसिक संतुलन न खोना, व्यवहार में सामान्यता बनाये रखना उनकी चारित्रिक विशेषता रही। भारतीय संस्कृति, साहित्य, कला को समृद्ध करने तथा सत्यम शिवम सुन्दरम के उदान्त भावों का विन्यास करने में छत्तीसगढ़ का अवदान ऐतिहासिक और विशिष्ट ही नही वरन् उनके लिए मूल्यवान रहा। संगीत और साहित्य में प्रतिभा संपन्न होने के साथ ही, विभिन्न लोकविधाओं में आपकी प्रतिभा मुखर हुई। यही सृजन आपकी अप्रतिम विद्धता, चिंतनशीलता और सौंदर्यवेदित्व की सशक्त अभिव्यंजना बनी। सुगंध, चंदन का स्वाभाविक गुण है, यत्र-तत्र रखने पर भी वह न केवल स्वयं महकता है, वरन् संपूर्ण वातावरण में भी अपनी सुगंध बिखरा देता है। चंदन सा महकता व्यक्तित्व पाया था, डॉ. अरुण कुमार सेन ने। आज भी यह खुशबू अपने यशस्वी भाव से आपके होने का एहसास निरंतर कर रहा है।

संपादक की कलम से...

लघु पादपों का विशाल वृक्षत्व जिस प्रकार बाल्यावस्था के सिंचन और संरक्षण पर आश्रित होता है, उसी प्रकार युवकों की सुख-शान्तिमय, समृध्दिशालीता का संसार छात्रावस्था पर आधारित होता है। यह अवस्था नवीन वृक्ष की वह मृदु और कोमल शाखा है, जिसे अपनी मनचाही आकार में सरलता से मोड़ा जा सकता है, और हमारा यही प्रयत्न रहता है, कि हम प्रत्यके विद्यार्थी को सही दिशा प्रदान करें। शिक्षा संस्थान छात्रों के बहुमुखी विकास का मंच होता हैं, महाविद्यालय में आकर विद्यार्थी अपनी शिक्षा को किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उसे व्यवहारिक रुप से विस्तार देते हैं। शिक्षा की रोशनी जब इंसाननुमा आईने पर पड़ती है, तो उस आइने से प्रवर्तित किरणें समाज से अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है। शिक्षा जीवन को सजाती है, संवारती है, और मनुष्य का संपूर्ण विकास करती है।

महाविद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास की राह में उनकें विचारों को सहेजने और एक सार्थक दिशा प्रदान करने के लिए हमने इस पत्रिका को एक साझा मंच बनाया है। उनकी कल्पनाओं, भावनाओं, इरादों को संजोया है, आवश्यकता है, उनकी क्रियात्मकता को ग्रहण करने की और दिशा प्रदान करने की।

हम आभारी है, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापकों के जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह पत्रिका हम प्रस्तुत कर सकें।

डॉ. सीमा चंद्राकर
सहा. प्राध्यापक हिन्दी विभाग

अरुणिता

फोन : 0771–4053443
फैक्स : 0771–4036032

गुरूकुल महिला महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध
गुरूकुल परिसर कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई–मेल : info@gurukulraipur.com

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (छ.ग.) पंजीयन क्रमांक 16/51–52

क्रमांक :

रायपुर,दिनांक .....

अध्यक्ष की दृष्टि में

किसी भी व्यक्ति के लिये यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह किस प्रकार से शिक्षित हो रहा है और किस ढंग से चिंतन-मनन करता है ।

वस्तुतः शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा पास करना नहीं है, बल्कि शिक्षा से प्रभावित, संस्कारित एवं प्रशिक्षित होकर निर्भयतापूर्वक जीवन जीते हुए अपनी सृजनशीलता से समाज को अभिप्रेरित करना है । मुझे आशा ही नही बल्कि पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालयीन छात्राओं को नवाचार के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करें । इस प्रयास का एक प्रतिफल गुरुकुल महिला महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका '' अरुणिता '' है ।

मैं पत्रिका के समस्त रचनाकारों, संपादक मण्डल के सभी सदस्य एवं सहयोगियों को पत्रिका के सफल प्रकाशन की शुभकामनायें देता हूँ।

भवदीय

उत्तमचंद जैन

(उत्तमचंद जैन)
अध्यक्ष

अरुणिता

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री
Bhupesh Baghel
Chief Minister

छत्तीसगढ़ शासन

महानदी भवन, मंत्रालय
नया रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492002
फोन : + 91 (771) 2221000, 2221001
इ-मेलः cmcg@nic.in
Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Atal Nagar, Raipur. 492002,Chhattisgarh
Ph: + 91 (771) 2221000, 2221001
Email : cmcg@nic.in

Do. No. 472 / HCM Date: 17/7/2019

क्रमांक : डीपीआर / 1128 / 201 रायपुर,दिनांक 22.06.2018

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय रायपुर द्वारा अपनी संस्थागत पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन किया जा रहा है।

छात्राओं की सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने व अभिव्यक्ति का कौशल विकसित करने के लिए ऐसी पत्रिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

(भूपेश बघेल)

उमेश पटेल
मंत्री
उच्च शिक्षा, कौशल विकास
तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग

मंत्रालय, कक्ष क्रमांक - M1-12
महानदी भवन, अटल नगर, रायपुर 492002
(छत्तीसगढ़)
फोन : 0771 - 2510316, 2221316
निः D-1/2, शास. आवासीय परिसर, देवेन्द्र नगर, रायपुर
फोनः 0771 - 2881030
नंदेली कार्यालय : 7000477747

क्रमांक : B/393

दिनांक 10.07.2019

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अरुणिता का प्रकाशन किया जा रहा है। छात्राओं के रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन - क्षमता का प्रदर्शन, व्यक्तित्व एवं अभिरुचि को विकसित करने के लिए महाविद्यालयीन पत्रिका एक सशक्त माध्यम होती है।

आशा है महाविद्यालय पत्रिका अरुणिता महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियां एवं छात्राओं के साहित्यिक, सांस्कृतिक, सृजनात्मकता को विकसित एवं प्रकाशित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

महाविद्यालय पत्रिका अरुणिता प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(उमेश पटेल)

डॉ. केशरी लाल वर्मा
कुलपति

Dr. Keshari Lal Verma
Vice Chancellor

पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) भारत
Pt. Ravishanker Shukla University, Raipur (C.G.) INDIA
Office : +91-771-2262857, Fax : +91-771-2263439
E-mail : vc_raipur@prsu.org.in
Website : www.prsu.ac.in

रायपुर,दिनांक 11.07.2019

शुभकामना

यह जानकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी रोड रायपुर द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'अरुणिता' का प्रकाशन किया जा रहा है।

यह पत्रिका महाविद्यालयीन छात्राओं के साहित्यिक तथा बौद्धिक स्तर को परिलक्षित करता हुआ शैक्षणिक गतिविधियों को अवगत कराने का सराहनीय प्रयास है।

आशा है 'अरुणिता' महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए सूर्य के किरणों की तरह भविष्य का मार्गदर्शन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी।

भवदीय

(केशरी लाल वर्मा)

प्रो. गिरीश कांत पाण्डेय
कुलसचिव
पं रविशंकर शुक्ल विश्वविघालय
रायपुर, (छत्तीसगढ़)
फोन: +91 771 2262540
ई मेल : registrarpru@gmail.com
वेब : www.prsu.ac.in

Prof. Girish Kant Pandey
Registar
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (C.G.), India
Off: +91 771 2262540
E-mail: registrarprsu@gmail.com
Web: www.prsu.ac.in

क्रमांक :1124

रायपुर,दिनांक 10-07-2019

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''अरुणिता'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति का न केवल प्रदेश में वरन पूरे भारतवर्ष में देश की ललित कला संस्कृति, संगीत विधाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान हैं।

सम्पूर्ण विश्व में आज भी भारतीय संगीत एवं ललित कलाओं को सम्मान प्राप्त है। इसमें आप जैसे शिक्षण संस्थाओं की महती भूमिका है।

आशा है कि महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''अरुणिता'' के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत् छात्राओं को अपनी मौलिक रचनाओं के प्रस्तुतीकरण का एक उचित अवसर प्राप्त होगा।

शुभकामनाओं सहित

(कुलसचिव)

फोन : 0771–4053443
फैक्स : 0771–4036032

गुरूकुल महिला महाविद्यालय

छत्तीसगढ़ शासन तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से संबंध
गुरूकुल परिसर कालीबाड़ी रोड, रायपुर (छ.ग.) ई–मेल : info@gurukulraipur.com

संचालित भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति, गांधी चौक, रायपुर (छ.ग.) पंजीयन क्रमांक 16/51–52

क्रमांक : 3689/19 रायपुर,दिनांक 18.10.2019

प्राचार्य की कलम से ....

अत्यंत हर्ष का विषय है कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय अपनी आधारशिला के समय की गयी कल्पना के अनुसार निरंतर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने हेतु संकल्पित एवं अग्रणी रहा है। संस्था शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ छात्राओं की सर्वांगीण विकास के माध्यम से समृद्ध राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भुमिका निभा रही है। आज महाविघालय राज्य में शैक्षणिक समाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में अग्रणी है।

महाविघालय को शिखर तक ले जानें में प्रबंधन समिति एवं गुरुकुल परिवार के सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय है। मैं इन सबका हृदय से अभार व्यक्त करते हुए पत्रिका प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ देती हूँ।

डॉ. संध्या गुप्ता
प्राचार्य
गुरुकुल महिला महाविद्यालय

स्थापित - 1950

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति

(पंजीयन कमांक 16/1951-52) (e-mail : blssr1950@gmial.com)
गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत
गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत
फोन/फैक्स : 0771-4036032

क्रमांक :

रायपुर,दिनांक .....

सचिव की कलम से

महाविद्यालयीन पत्रिका छात्राओं के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक ज्ञान-विज्ञान का समावेश होता है। यह विद्यार्थियों में निहित सृजनात्मक प्रतिभा का विकास करती है जो उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक होती है। सामयिक परिवेश में छात्र-छात्राओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने एवं साहित्यिक अभिरुचि को जागृत करने के उद्देश्य से अरुणिता का प्रकाशन करने के लिए महाविद्यालय की प्रचार्य, प्राध्यापक एवं छात्राएँ बधाई के पात्र है।

(श्रीमती शोभा खण्डेलवाल)
सचिव
भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति

स्थापित - 1950

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति

(पंजीयन कमांक 16/1951-52) (e-mail : blssr1950@gmial.com)
गाँधी चौक, रायपुर (छ.ग.) भारत
गुरुकुल परिसर, कालीबाड़ी रोड़, रायपुर (छ.ग.) भारत
फोन/फैक्स : 0771-4036032

क्रमांक :

रायपुर,दिनांक .....

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि गुरुकुल महिला महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवीन गतिविधियों के साथ अग्रसर है जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सशक्त युवा समृद्ध समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए संकल्पित होता है और महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य समाज एवं राष्ट्र के विकास में सशक्त भुमिका निभाने के लिए छात्राओं को तैयार करना है।

मैं अरुणिता के सफल प्रकाशन एवं महाविघालय के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता हूँ एवं परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई ।

श्री नरेश चन्द्र गुप्ता
सदस्य
शासी निकाय समिति
गुरुकुल महिला महाविद्यालय

भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति

पदाधिकारी

श्री उत्तम चंद जैन
अध्यक्ष
भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)

श्री तरल मोदी
उपाध्यक्ष
भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)

श्रीमती शोभा खण्डेलवाल
सचिव
भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति
रायपुर (छ.ग.)

सदस्य

श्री शेखर सेन	श्री आर. के. गुप्ता	श्रीमती आई. वॉल्टर
श्रीमती श्वेता सेन	श्री देवाशीश रॉय	श्री नरेश चंद गुप्ता
श्री दिलीप कुमार घोष	श्री शांति बरड़िया	श्रीमती एस. खंडेलवाल
श्री. एस. एन. भट्टाचार्य	श्री बी. डी. द्विवेदी	डॉ. गोपाल जनस्वामी
	श्री अजय तिवारी	

उपलब्धियां

कु. नाजिस्था परवीन
बी.काम. तृतीय
71.61%

कु. प्रतिभा गेहानी
एम.काम. चतुर्थ सेमेस्टर
78.15%

कु. भावना साहू
बी.सी.ए तृतीय
69.90%

कु. गरिमा मोईत्रा
बी.एस.सी तृतीय (जीव विज्ञान)
74.05%

वाणिज्य विभाग

भातखण्डे ललित कला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी.काम. की 60 सीट के साथ प्रारंभ हुई तथा वर्ष 2005 में एम.काम. की कक्षायें 30 सीट के साथ प्रारंभ की गई।
वर्तमान में बी.काम. (प्लेन) - 100 सीट तथा बी.काम. (कम्प्युटर) - 100 सीट एवं एम.काम. - 30 सीट (प्रत्येक सेमेस्टर) आबंटित है। वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत 09 सहायक प्राध्यापक कार्यरत है। प्रत्येक वर्ष विभाग द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, रिमिडियल कक्षायें, कार्यशाला, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, खेल संबंधी गतिविधियाँ तथा विभिन्न प्रतियोगितायें जैसे - यूनिट टेस्ट, वाद-विवाद, रंगोली, मेंहन्दी का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। तथा एम.काम. की छात्राओं को शोध कार्य हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है।
वर्ष 2018-19 में वार्षिक परीक्षा परिणाम बी.काम. प्रथम वर्ष 65.38%, बी.काम. द्वितीय वर्ष 78.56%, बी.काम. अंतिम वर्ष 94.84% तथा एम.काम. में शत्-प्रतिशत् परिणाम रहा।

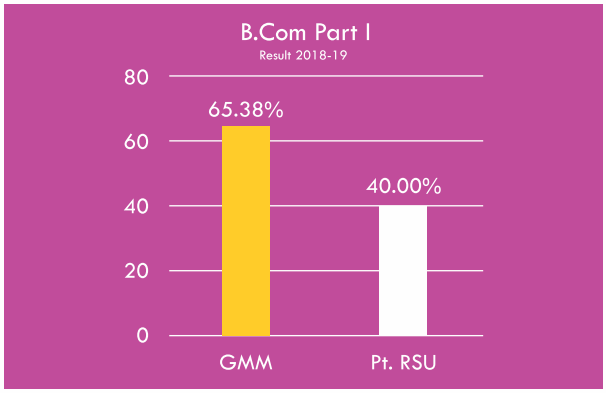

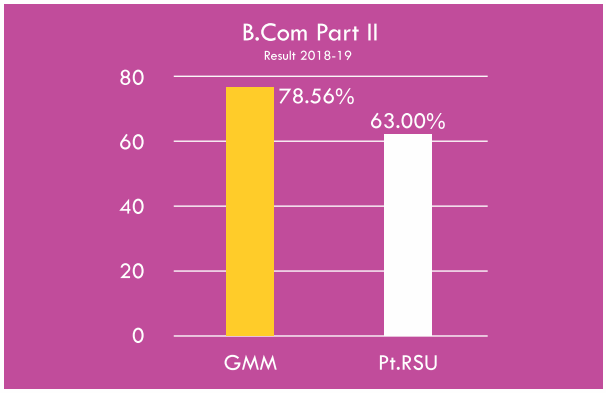

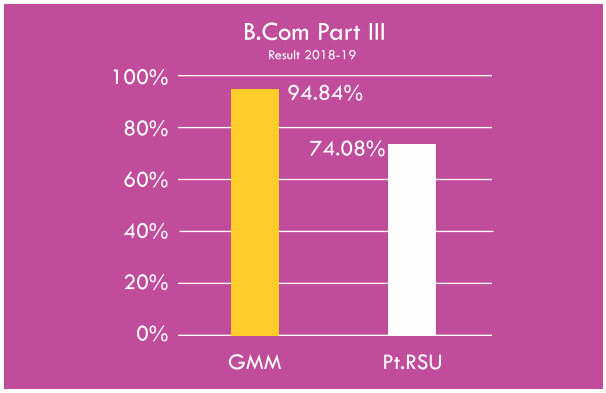

Gurukul Mahila Mahavidyalaya
Pt. Ravi Shankar Shukla University

वाणिज्य विभाग

1. डॉ. राजेश अग्रवाल (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ. पद्मा सोमनाथे
3. श्रीमती कविता सिलवाल
4. श्रीमती रात्रि लहरी
5. श्रीमती मोनिका साहू
6. श्रीमती आकांक्षा राठौर
7. डॉ. सारिका देवांगन

विज्ञान विभाग

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में विज्ञान विभाग का आरंभ महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही सन 2001 से हुआ है। विज्ञान समूह के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.एस.सी. (गणित, कम्प्युटर विज्ञान एवं जीव विज्ञान समूह) संचालित है जिसमें प्रत्येक समूह में 50-50 सीटें आबंटित है। वर्तमान में विज्ञान विभाग में 13 प्राध्यापक कार्यरत है। प्रायोगिक पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित विषयवार प्रयोगशाला महाविद्यालय में उपलब्ध है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए महाविद्यालय में विज्ञान परिषद का गठन विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है जिसके अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिवर्ष संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधी कार्यक्रम, क्विज, भाषण आदि प्रतियोगितायें तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है।

वर्ष 2018-19 का परीक्षाफल निम्नानुसार है:-

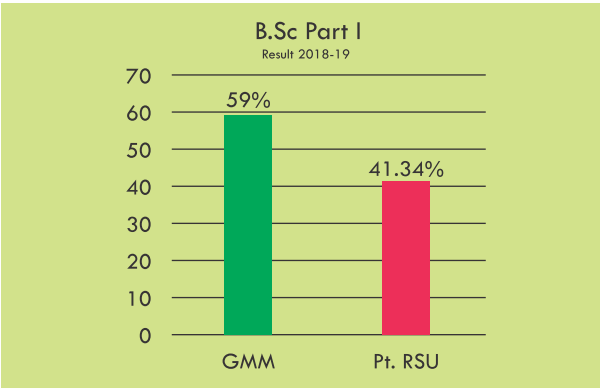

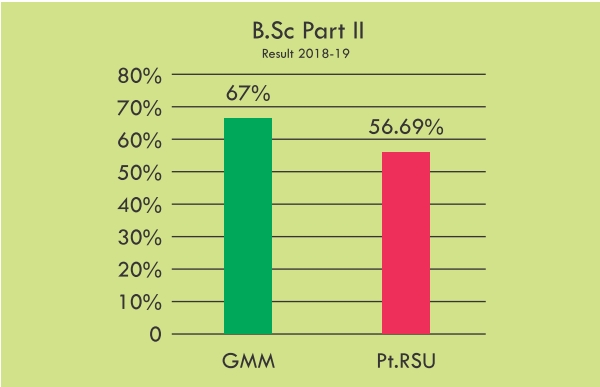

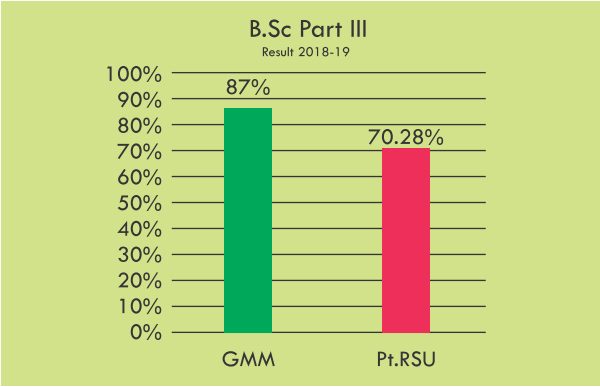

विज्ञान विभाग कार्यरत प्राध्यापक है:-

1. डॉ. वंदना अग्रवाल(विभागाध्यक्ष, विज्ञान विभाग)
2. आशिया परवीन (सहा. प्राध्या. रसायन विभाग)
3. डॉ. मेघा अग्रवाल (सहा. प्राध्या. वनस्पति विभाग)
4. डॉ. सीमा साहू (सहा. प्राध्या. वनस्पति विभाग)
5. डॉ. सीमा चंद्राकर (सहा. प्राध्या. हिन्दी विभाग)
6. डॉ. सिमरन वर्मा (सहा. प्राध्या. अंग्रेजी विभाग)
7. देवश्री वर्मा (सहा. प्राध्या. जंतु विज्ञान)
8. सोनल पंडा(सहा. प्राध्या. जंतु विज्ञान)
9. मनीषा कटारिया (सहा. प्राध्या. गणित विभाग)
10. श्रीमती टीनू दुबे (सहा. प्राध्या. गणित विभाग)
11. अंजली देवांगन(सहा. प्राध्या. गणित विभाग)
12. शुभांगी दुबे (सहा. प्राध्या. भौतिक विभाग)
13. राजनंदिनी साहू (सहा. प्राध्या. भौतिक विभाग)
14. कमलेश्वर निर्मलकर (प्रयोगशाला सहायक)

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

गुरुकुल महिला महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही वर्ष 2001 में कम्प्यूटर विभाग की स्थापना हुयी। वर्तमान में कम्प्यूटर विभाग में स्नातक स्तर पर बी.सी.ए. - 30 सीट, बी.एस.सी. (कम्प्यूटर साइंस) - 50 सीट, बी.काम. (कम्प्यूटर एप्लीकेशन) - 100 सीट आबंटित है। एकवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम पी.जी.डी.सी.ए. / डी.सी.ए. - 60 / 60 सीट आबंटित है।

वर्तमान में कम्प्यूटर विभाग में 06 सहायक प्राध्यापक और 02 लैब टेक्निशियन कार्यरत है। फ्री वाई-फाई सुविधा छात्राओं को प्रदान की गई है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिवर्ष संगोष्ठी, व्यक्तित्व विकास संबंधित कार्यक्रम, आंतरिक मूल्यांकन, ट्रेनिंग कार्यक्रम, वर्कशॉप आदि आयोजित किये जाते है और कैरियर बनाने हेतु उन्हें समय-समय पर उचित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जाता है।

वर्ष 2018-19 का परीक्षाफल निम्नानुसार है :-

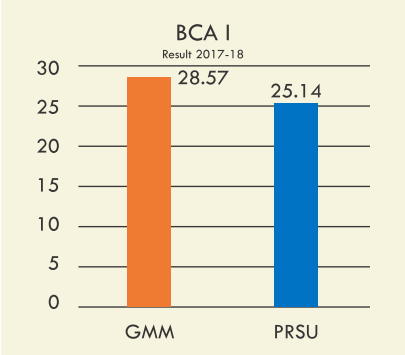

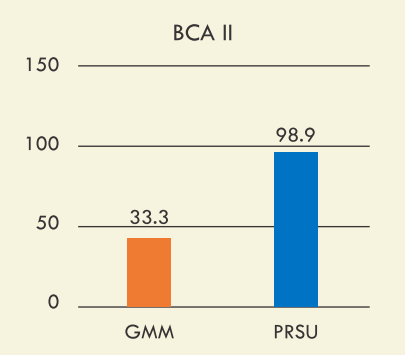

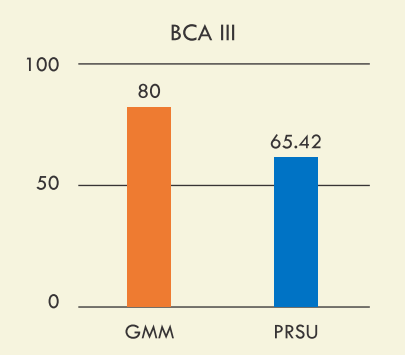

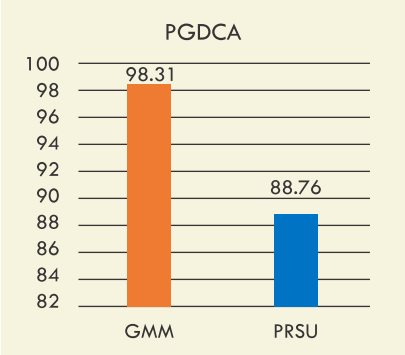

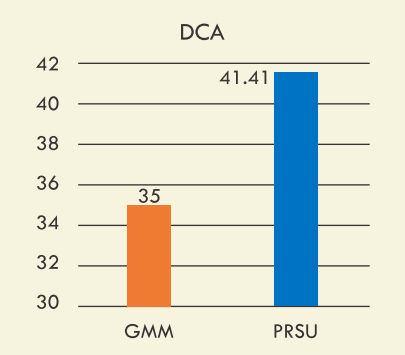

Gurukul Mahila Mahavidyalaya Pt. Ravi Shankar Shukla University

कम्प्यूटर विभाग

1. डॉ.अमिता तेलंग (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ.दीपशिखा शर्मा (सहायक प्राध्यापक)
3. श्रीमती रुकमणी दिग्रसकर (सहायक प्राध्यापक)
4. श्री हरीश साहू (सहायक प्राध्यापक)
5. कु. अंशिका दुबे (सहायक प्राध्यापक)
6. कु. पुनम कटंकर (सहायक प्राध्यापक)
7. श्री वैभव सिंह ठाकुर (लैब टेक्नीशियन)
8. श्री मनोज कुमार साहू (लैब टेक्नीशियन)

राष्ट्रीय सेवा योजना

**युवाओं मे वह क्षमता है,
जो असंभव-से-असंभव कार्य को भी
संभव बना देती है।**

राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगो के साथ मिलकर समाज के हित के लिए कार्य करते है। साक्षरता संबंधी कार्य, स्वास्थ्य एवं सफाई, पर्यावरण सुरक्षा, पीड़ित लोगों की सहायता एवं बाल अधिकार संबंधी जागरुकता आदि।

राष्ट्रीय सेवा योजना, अंतराष्ट्रीय संगठन युनिसेफ के साथ मिलकर कार्य कर रही है जो बाल अधिकार, पोषण, स्वास्थ्य आदि पर कार्य करते है। हमारे स्वयंसेवक को इनके साथ कार्य करने का अवसर मिला जिनसे वे अपने अधिकार के बारे में जान पाये साथ ही लोगो को भी नुक्कड़ (बाल अधिकार), रैली, पोस्टर आदि के माध्यम से जागरुक कर रहे हैं।

विद्यार्थी जीवन से ही समाजोपयोगी कार्य करते रहने से उनमें समाज सेवा व राष्ट्र सेवा के गुणों का विकास होता है। एक श्रेष्ठ नागरिक बनने के लिए इन गुणों का विकास होना अत्यंत आवश्यक है।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के 100 स्वयंसेवक की इकाई मार्च 2006 से संचालित है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई द्वारा प्रतिवर्ष नियमित गतिविधियों के अन्तर्गत रक्तदान शिविर, सघन स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जन-जागरण कार्यक्रम हेतु रैली आदि का आयोजन विशेष अवसरों पर किया जाता है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना शाखा द्वारा आयोजित समस्त कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रहती है। महाविद्यालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिवर्ष रासेयो इकाई द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर के अन्तर्गत कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक निर्धारित सेवा स्थल पर रहते है तथा प्रतिदिन जनकल्याण एवं जन-जागरण संबंधी कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त समूह परीक्षण, सिकलसेल परीक्षण, स्वच्छता जैसे विषयों पर कुशल प्रशिक्षकों द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर, राज्य स्तरीय शिविर एवं जिला स्तरीय शिविर में महाविद्यालय के स्वयंसेवकों की प्रतिभागिता रहती है।

प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं प्रतिभागिता के आधार पर सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक का पुरस्कार विशेष रुप से महाविद्यालय द्वारा दिया जाता है। गुरुकुल महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्राओं को सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरुक बनानें तथा उनके समाधान के लिए रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करनें के लिए सतत् प्रयत्नशील है।

श्रीमती रात्रि लहरी
कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना

अरुण कुमार सेन स्मृति ग्रंथालय - ज्ञान की समग्रता

विद्यार्जन एवं शिक्षा प्राप्ति व्यक्ति के जीवन में लक्ष्य को निश्चित करने के द्वारा उसके वर्तमान और भविष्य को पोषित करती है। विद्या सर्वश्रेष्ठ धन है, जो दूसरों को देने पर बढ़ता है। किसी भी देश का विकास और वृद्धि, इस देश के युवाओं के लिए विद्यालय और महाविद्यालय में निर्धारित की गयी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। शैक्षणिक संस्थान में पुस्तकालय ही है, जिसमें निःशुल्क किताबें पढ़ने की सुविधा दी जाती है।पुस्तकें चरित्र निर्माण का सबसे अच्छा साधन है। सर्वश्रेष्ठ विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार से दुनिया को एक नयी दिशा दी जा सकती है जिससे हमें ज्ञान की प्राप्ति होती है। अच्छी पुस्तकें हमें मानसिक रुप से सन्तुलित रखती है, यह न सिर्फ हमें कल्पनाशील बनाती हैं बल्कि हमारे ज्ञान में भी वृद्धि करती हैं। समाज के स्वस्थ विकास के लिए पुस्तकालय लोगों को सीखने की जरुरतों को पूरा करने के लिए मूल्यवान सेवाएं प्रदान करते हैं। पुस्तकालय हमारे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को भी लाभान्वित करते हैं, क्योंकि लोग उनका उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए करते हैं और अपने कौशल में सुधार करते हैं। वे लोगों और समुदाय के समग्र विकास में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। वर्तमान युग में ज्ञान व सूचना न केवल मुद्रित रुप में अपितु इलेक्ट्रोनिक संसधान रुप में भी प्रकाशित हो रही है। ई-संसाधन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन स्वरुप में उपलब्ध होते हैं। डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से समय एवं दूरी की बाधाओं को दूर करते हुए सूचना एवं ज्ञान के अभिगम को प्राप्त किया जा सकता हैं।

- गुरुकुल महिला महाविद्यालय द्वारा स्थापित डॉ. अरुण कुमार सेन ग्रंथागार वर्ष 2001 से शिक्षण की गुण्वत्ता बढ़ाने व नवपरिवर्तनशील सुचना एवं सेवाओ को प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित हुआ। शिक्षा की उज्जवलता हेतु यहां छात्राओं के लिए अधिकतम सेवायें दी जाती है।
- अनुभवी शिक्षकों के द्वारा चयनित पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न प्रकाशनों की पाठय पुस्तके, सन्दर्भ ग्रन्थ, कहानी संग्रह शब्द कोश तथा ज्ञान कोश द्वारा शिक्षकों के रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यो को प्रेरित करने एवं छात्राओं का बौद्धिक विकास करने का प्रयास किया जा रहा है।
- छात्राओं के लिए ग्रंथालय में मंगाई जाने वाली शोध पत्रिकाऐं, समाचार पत्र तथा सामयिक पत्रिकाएँ नवीनतम ज्ञान की प्राप्ति में सहायक है।
- छात्राओं की परीक्षा की तैयारी के लिए गत वर्षो के प्रश्न पत्र, शिक्षकों द्वारा बनाये प्रश्न बैंक एवं प्रतियोगी परीक्षा से सम्बंधित पाठ्य सामग्री है।
- ई-संसाधनों के वृहद उपयोगो को देखते हुए ग्रंथालय द्वारा इनफ्लिबनेट के एन-लिस्ट कार्यक्रम को प्रति वर्ष पंजीकृत कराया जाता है जिससे 6000 ई-शोध पत्रिकायें तथा 31 लाख से अधिक ई-पुस्तकों की सुविधा से उपयोगकर्ता पहचान बनाकर लाभान्वित हो सकते हैं।
- ग्रथालय के कंप्यूटर नेटवर्क द्वारा उपयोगकर्ता विभिन्न प्रकार के सूचना स्त्रोंतों से समय समय पर सुक्ष्म जानकारी प्राप्त कर अपनी समस्या का समाधान कर लेते है।
- प्रतिवर्ष ग्रंथालय दिवस पर संगोष्ठी, निबंध प्रतियोगिता तथा उपयोगकर्ता शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है जिससे छात्राओं को अधिकतम जानकारी प्राप्त हो सके।
- बेहतर कार्य प्रणाली के अंतर्गत सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता आयोजित कर चयनित विद्यार्थियों को वर्षभर के लिए पुस्तकें इश्यू कर पठन कार्य को प्रोत्साहित किया जा रहा है तथा बुक बैंक सुविधा प्रदान की जा रही है।
- ग्रंथालय के दैनिक क्रियाकलापों की सुविधा के लिए इन्फ्लिबनेट द्वारा संचालित सोल सॉफटवेयर क्रय किया गया है जिसके अंतर्गत OPAC सुविधा द्वारा विघार्थियों को ग्रंथालय में उपलब्ध पाठ्य सामाग्री की जानकारी प्राप्त होती है।
- ग्रंथालय की विभिन्न कार्यो को संचालित करने, अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखने पाठको की उपयोगिता के अनुसार पठन सामग्री के व्यवस्थापन के लिए नियमावली तैयार कर अनुशासन व्यवस्था रखी जाती है।

अदिति जोशी
ग्रंथालय

इको क्लब - हरियर वसुन्धरा

धर्म तथा पर्यावरण के मध्य बहुत गहरा संबंध रहा है। भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता, इस तथ्य, का पुष्ट प्रमाण है। ''जियो और जीने दो'' जिओ और जीने दो का संबंध न केवल मानव समुदाय तक सीमित है वरन् इसका चर, अचर, जड़, चेतन, प्रकृति व पर्यावरण से भी अटूट संबंध है। पेड़-पौधे प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने में विशेष भूमिका निभाते है। जो पृथ्वी पर जीवन बनाये रखने के लिये महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय इको क्लब के द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ कारायी गयी है -

1. ग्रीन डे के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2. पर्यावरण जागरुकता के लिए औषधीय, फलदार तथा छायादार पौधे का वितरण किया गया।
3. वर्तमान समस्याओं के प्रति जागरुकता के लिए वायु प्रदुषण विषय में छात्राओं तथा प्राध्यापकों के लिए परिचर्चा का आयोजन किया गया।
4. MEF & CC तथा CMS वातावरण द्वारा आयोजित शार्ट फिल्म मेंकिग फिल्म फेस्टिवेल 2019 कार्यक्रम में महाविद्यालय की 06 छात्राओं ने प्रदुषण एवं पर्यावरण विषय पर शार्ट फिल्म (विडियों) बनाकर अपलोड किया।
5. ऊर्जा संरक्षण विषय पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस क्लब में महाविद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ सदस्य के रुप में डॉ. मेघा अग्रवाल, मनीषा कटारिया, देवश्री वर्मा सम्मलित है। जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तपन जैसे गंभीर वर्यावरण समस्याओं को ध्यान में रखते हुए हमारे क्लब के द्वारा महाविद्यालय में छात्राओं के पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम निरंतर संचालित किया जा रहा है। जिससे छात्राएँ इन समस्याओं से रुबरु हो और जागरुक होकर ''एक कदम प्रकृति की ओर बढ़ायें'' यह हमारे इको क्लब का मुख्य उद्देश्य है इसके लिए हम निरंतर प्रयत्नशील है।

डॉ. सीमा साहू
सहायक प्राध्यापक
वनस्पति विभाग
गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर, छ.ग.

महाविद्यालय खेल गतिविधि

''गुरुकुल के कर्मठ माली व पुष्प की सुगंध,
कर रही बयां हैं आज इसके क्षितिज का आधार''

भातखण्डे ललितकला शिक्षा समिति द्वारा संचालित गुरुकुल महिला महाविद्यालय राजधानी का एक जाना पहचाना नाम बन चुका है। उठो! जागो! और तब तक चलते रहो जब तक अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लो। स्वामी जी का यह कथन आज के युवा वर्ग के लिये प्रेरणा का पुंज है। शैक्षणिक संस्थाओं का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने गुरुकुल में बच्चों के सर्वांगीण विकास के हर एक पहलू पर ध्यान दे ताकि वह जीवन को सही दिशा और विकास के पथ पर अग्रसर कर सके। बच्चों के सर्वांगीण विकास, उनके ज्ञान अन्तःशक्ति, योग्यता का निर्माण, पूर्णतम मात्रा तक शारीरिक और मानसिक योग्यता का विकास हो सके। अतः जरुरी है कि शारीरिक शिक्षा और खेलों के द्वारा अच्छे स्वास्थ्य व विकास का उच्चतम समन्वय स्थापित किया जाये। शारीरिक शिक्षा न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि शारीरिक क्षमता और मानसिक संचेतना को भी प्रभावित करता है। यह कुछ सदगुणों को विकसित करने में भी मदद करता है जैसे खेल भावना, नेतृत्व, अनुशासन, विजय भावना, और हार को स्वीकारना।

ऐसी ही मूलभूत प्रवृत्तियों के विकास के लिये हमारा गुरुकुल महिला महाविद्यालय सदैव तत्पर और क्रियाशील रहता है। इसी का परिणाम है कि हमारे महाविद्यालय के प्रांगण से हर वर्ष विद्यार्थियों का शैक्षणिक के साथ-साथ खेलकूद की विधाओं में भी न केवल सार्थक सहभागिता रहती हैं अपितु खेल के विभिन्न मंचों पर अपनी उत्तम भागीदारी का हस्ताक्षर भी सक्रियता से करते हैं। छात्राओं के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न खेल संक्रियाओं में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इस वर्ष अभी तक महाविद्यालय की छात्राएँ मूलतः सेक्टर स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में शामिल होकर राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिये चयनित हुयीं। उच्च शिक्षा के तत्वाधान में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भी महाविद्यालय की छात्राओं का सराहनीय प्रदर्शन रहा। इसमें हैमरथ्रो में एक छात्रा का प्रदर्शन सर्वोत्तम रहा । अंर्तमहाविद्यालयीन महिला खो-खो प्रतियोगिता में महाविद्यालय द्वारा सराहनीय प्रदर्शन किया। इसी प्रकार से स्क्वैश के लिये एक छात्रा का चयन, कुश्ती में दो, महिला फुटबाल में भी चयनित हुआ । चुंकि आगे अभी कई आयोजन होने हैं और पूरा विश्वास है कि इसमें भी महाविद्यालयीन खिलाड़ियों का आगे के लिये चयन संभावितों में अवश्य ही शामिल होगा। यह तो विदित ही है कि महाविद्यालय से छात्राओं का चयन कुश्ती, जुडो, हैण्डबॉल, खो-खो, बैडमिन्टन, तैराकी सॉफ्टबॉल, जैसी प्रतियोगिता में पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के टीम सदस्य के रुप में पूर्व के वर्षो में हो चुका है।

महाविद्यालय के द्वारा विभिन्न खेल शिविरों का आयोजन भी समय-समय पर किया जाता रहा है। जिनमें विशेष रुप से खो-खो, कबड्डी, हैण्डबॉल, टेबल-टेनिस, शतरंज और कुश्ती जैसी खेल विधा प्रमुखता से शामिल है। यही कारण है कि महाविद्यालयीन छात्रायें न केवल सेक्टर स्तरीय अपितु राज्य स्तरीय एवं विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भी अपना स्थान बनाने में सफल रही हैं।

प्रतिवर्ष खेल कैलेण्डर में गुरुकुल महिला महाविद्यालय की छात्राओं का प्रदर्शन और सहभागिता आने वाली युवा छात्राओं के लिये सदैव प्रेरणा का काम करता है।

इन्हीं आशाओं के साथ कि गुरुकुल की फिजां में हर वर्ष गगन पर चमकेगा हर इक सितारा, रोशन करेगा मस्तक इनका, खिल उठेगी हर कली यहां।।

योजनानां सहस्रं तु शनैर्गच्छेत् पिपीलिका।
आगच्छन् वैनतेयोपि पदमेकं न गच्छति।।
(सुभाषित 228)

डॉ. रिंकु तिवारी
खेल विभाग
गुरुकुल महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

महाविद्यालयीन शोध पत्रिका

गुरुकुल शोध सृजन

ISSN No. 2349-9702 के साथ सत्र 2014-15 से महाविद्यालय द्वारा वार्षिक शोध पत्रिका गुरुकुल शोध सृजन का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका के मुख्य संपादक डॉ. पदमा सोमनाथे, सहायक प्रध्यापक वाणिज्य के साथ संपादक मंडल में डॉ. वंदना अग्रवाल, डॉ. अमिता तेलंग, डॉ. रिंकु तिवारी, डॉ. राजेश अग्रवाल इस शोध पत्रिका के प्रकाशन के लिए सतत् प्रयत्नशील है। इस शोध पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को शोध के लिए प्रेरित करना है। वर्तमान शिक्षा पध्दति में शोध ज्ञान को एक नई दिशा प्रदान कर इसे विकसित एवं परिमार्जित करता है। इस उददे्श्य के साथ शोध पत्रिका के छठवें संस्करण का प्रकाशन इस वर्ष किया गया है।

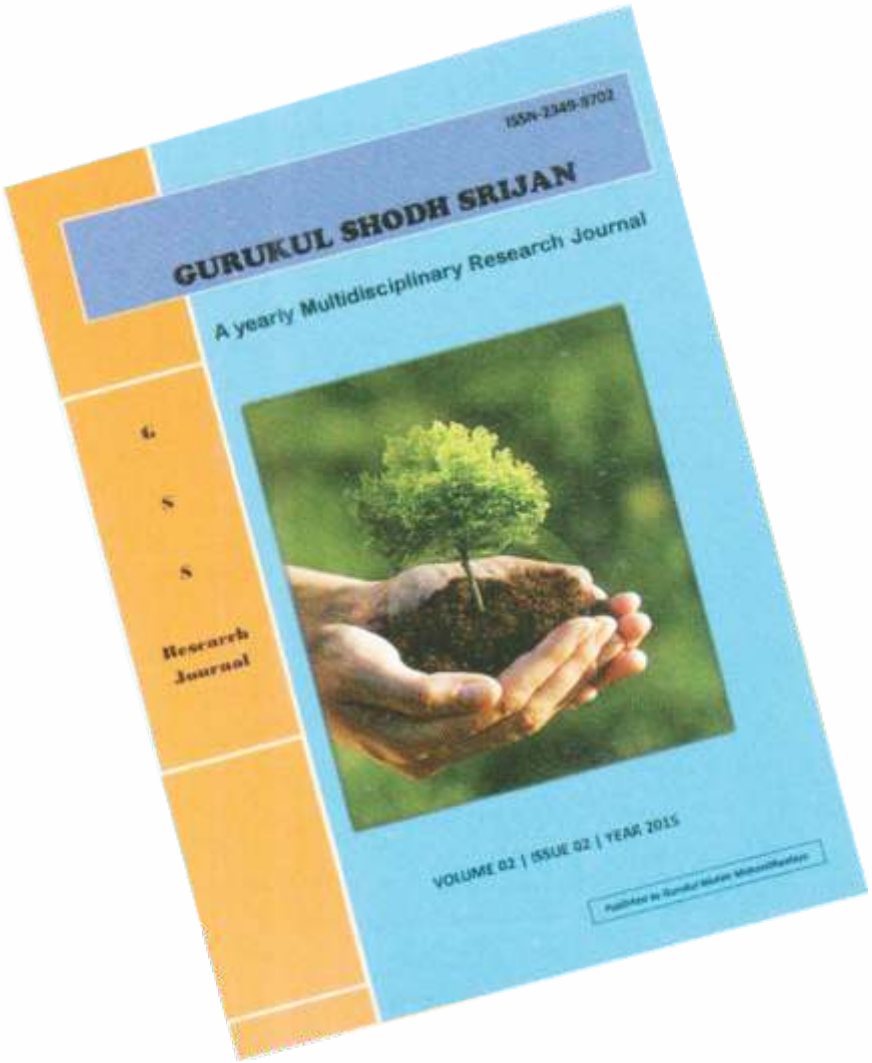

MIRROR MIRROR ON THE WALL

Mirror mirror on the wall;
I will always get up after I fall.
No matter what no matter how;
I will work hard any how.
I can fail once, I can fail twice;
but my failure can't take away my rejoice.
I know how to get my dreams oft;
Each day with time I will make my mistakes crop.

Muskan Agrawal
B. Com 1st Year (Comp)

''कविता''

किताब के पन्नों से बाहर निकल
उड़े जा रहे है बच्चे ....

उड़ी जा रही है खुशियां
रंग उड़े जा रहे है
उड़ी जा रही है
सपनों की रंग - बिरंगी तितलियां ....

अब तितलियां बस उड़न चाह
रही है ....
कि अपने सपनों को पूरा
करना चाह रही है तितलियां ....

आफरीन कुरैशी
बी. काम. तृतीय वर्ष

MY COLLEGE LIFE

My heart peevish for some time,
So beautiful Were college life,

No one can ignore to discuss,
That how was his college life,

At the time of admission we said,
So long is our college life,

The 1st step was to admit at college,
The 2nd was to retire from college life,

Then to sat in class 1st year,
We take start for college life,

But after littel period of time,
1st year were ignored from college life,

Then on promoting to next class,
I felt the beauty of college life,

But the time has go on and so on life,
And never wait to enjoy college life,

Now before ending the Session,
To Shares activies of college life,

To go college in sweet mornig,
The routine of my college life,

Then to attend class after class,
Was the aim of My college life,

And to borrow book from library,
Was the part of my college life,

To go hills with Friends in free time
The missing time of my college life,

Now With great sorrow and more
How was the end of my college life

Then with this sorrow in my heart
I spent last session of college life,

I really gonna miss this place,
And i gonna miss my college life

Roshni Khute
B. Sc. 3rd Year

''बादल कहते''

कैसा भला बरसता जमकर
पानी ये झम-झम।
श्यामल-श्यामल बादल कहते
अगर न होते हम।
वर्षा से होती हरियाली
जीव-जगत को मिलता जीवन,
गोद भरा करती धरती की
धन्य हुआ करते वन-उपवन ।
मई और जून तवे सरीखे
बीते बहुत गरम
श्यामल-श्यामल बादल कहते
अगर न होते हम ।
पर्यावरण रहेगा अच्छा
तब ही अच्छे दिन आयेगे,
ताल-तलैया नरियाँ-झरने
और कुऐं भी भर जायेगे।
आसमान में बजते कैसे
बाजे ये ढम-ढम
श्यामल-श्यामल बादल कहते
अगर न होते हम।

यामिनी मानिकपुरी
बी. एस. सी द्वितीय वर्ष

''कैसे बनता है रबड़''

रबड़ प्राकृतिक और कृत्रिम दो प्रकार से बनाया जाता है। प्राकृतिक रबड़, पेड़ों से निकलने वाले लैटेक्स नाम के तरल पदार्थ से प्राप्त होता है। दुनिया भर में रबड़ के पेड़ों की 400 से भी ज्यादा किस्में मौजूद है। लेकिन सबसे ज्यादा रबड़ हैक्यिा ब्राजिलिएंसिस नाम के पेड़ से मिलता है। इस पेड़ को लगाने के पांच साल बाद लैटेक्स निकलना शुरु हो जाता है और लगभग 40 सालों तक निकलता रहता है। एक एकड़ में ऐसे करीब 150 पेड़ लगाने पर एक बार में 150 से 500 पाउंड तक रबड़ प्राप्त किया जा सकता है। इसे प्राप्त करने के लिए पेड़ के तने में छेद कर, उसमें से निकलने वाले लैटेक्स पदार्थ को इकट्ठा किया जाता है। यह लैटेक्स पानी से हल्का होता है। इसमें रबड़ के अलावा रेजिन, शर्करा, प्रोटीन और खनिज लवण पाए जाते है। एक रासायनिक प्रक्रिया के द्वारा लैटेक्स में मौजूद पानी सूख जाता है। इस तरह प्राप्त शुद्ध रबड़ में ना कोई रंग और ना ही कोई गंध होती है। यह बहुत लचीला होता है। इसे खींचे जाने पर यह आठ गुणा तक लम्बा खींच सकता है। इसी गुण की वजह से रबड़ से गुब्बारे, गेंद, जूते वाटरप्रूफ ड्रेस, तिरपाल रबड़ बैंड और टायर ट्यूब आदि बनाए जाते है। कृत्रिम रबड़ केमिकल रिएक्शन के जरिए प्राप्त किया जाता है।

चुन्नी देवांगन
बी. एस. सी तृतीय वर्ष

''परीक्षा देवी''

तेरा आगमन सुनकर देवी
हम कांप-कांप रह जातें हैं।
फूल जैसे खिलते चेहरे
डरकर फीके पड़ जाते हैं।
ओ काल बांघनी मत आ तू
तुझसे विनती करते हम।
यदि आंख तनिक लग जाये कहीं
तेरे सपने आते हैं।
तेरी तैयारी और कर मेहनत
दिन हो या रात हम कवर पाते हैं।
फिर भी क्या कारण है देवी
हमें कम नंबर ही आते हैं।

''बनो महान''

आत्मविश्वास से रहो भरपूर,
असफलता रहेंगी तुमसे दूर।
कामयाबी मिलेगी हंसते खेलते,
पत्थर रास्ते के होंगे चुर।
आत्मविश्वासी न माने हार,
हर मुश्किल का करते सत्कार।
स्वभाव में सदा रहे विनम्रता
परिश्रम से सदा करते प्यार।
लक्ष्य पाना सदा रखो महान,
हर कार्य में फूंक दो प्राण।
दूर नहीं फिर वह दिन भी
कहलाओगे जब तुम भी महान।

अरुणा साहू
बी. एस. सी द्वितीय वर्ष

''क्योंकि मैं पुलिस वाला हूँ''

बड़ी मेहनत के बाद मैंने, पुलिस की नौकरी पायी हैं, नौकरी में आया तो जाना, यहाँ एक तरफ कुआँ तो दुसरी तरफ खाई हैं।

जहाँ कदम-कदम पर जिल्लत, और घड़ी घड़ी पर ताने हैं,
यहाँ मुझे अपनी जिंदगी के कई साल बिताने हैं

अपनी गलती ना हों लेकिन क्षमा याचना हेतु हाथ फैलाने हैं,
फिर भी बात-बात पे चार्जशीट और पनीशमेंट ही पाने है

जानता हूं ये अग्निपथ है, फिर भी मैं चलने वाला हूं,
क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

जहां एक तरफ मुझे अधिकारी की और दूसरी तरफ पब्लिक की भी सुननी है, यानी मुझे दो में से एक नहीं, बल्कि दोनों राह चुननी है।

ड्यूटी अगर लेट हुई तो अधिकारी और पब्लिक चिल्लाते है,
गलती चाहे किसी की भी हो सजा तो हम ही पाते है।

दो नावों पे सवार हूं फिर भी सफर पूरा करने वाला हूं,
क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

आसान नहीं है सबको खुश रख पाना परिवार के साथ वक्त बिताना, और ऑफिस में जॉब बचाना।

परिवार के साथ बमुश्किल कुछ वक्त ही बिता पाता हूँ,
घर जैसे कोई मुसाफिर खाना हो, वहां तो बस आता और जाता हूँ।

फिर भी हर मोड़ पर मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी करने वाला हूं,
क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

Promotion, Increment की बात पर हमें सालों लटकाया जाता है, हक की बात करने पर ठेंगा दिखलाया जाता है।
ये एक लड़ाई है, इसमें सबको साथ लेकर चलने वाला हूं,
क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

देश समाज में पुलिस के आरामपरस्त होने का बड़ा बवाल है,
छुट्टी मिली ना घर जा सके Duty में ही ईद, दिवाली, क्रिसमस मनाने का अजीब कमाल है।

टिफिन से टिफिन जब मिलते है तो एक नया ही जायका बन जाता है, खुद के बनाये खाना खाने में, और घर के खाने में फर्क साफ नजर आता है।

मजबूरी में इतना कुछ सिखाया, आगे भी बहुत कुछ सीखने वाला हूं, क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

लोग समझते है कि बड़ा मजा करते है, सर पुलिस की नौकरी में।

सबको मैं बदल नहीं सकता, इसलिये अब खुद को बदलने वाला हूं, क्योंकि मैं पुलिस वाला हूं।

कु. खिलेश्वरी शंकर
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''दुनिया के सबसे महान वैज्ञानिक (Albert Einstein) की हैरान कर देने वाली बातें।''

Albert Einstein को दुनिया के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता है 14 मार्च को इनका Birthday Genius Day के रूप में मनाया जाता है Einstein के favourite Scientist गैलीलियों गैलीली थे। बचपन में उन्हें मंदबुद्धि लड़का माना जाता था टीचर ने तो यहां तक कह दिया था कि ये लड़का जिन्दगी में कुछ नहीं कर पाएगा वही लड़का बाद में दुनिया का सबसे महान Scientist बना। वे पढ़ाई में ज्यादा अच्छे नहीं थे लेकिन maths ही बचपन से उनका पसंदीदा विषय था। Einstein अपने General And Special Theory of Relativity की वजह से पूरी दुनिया में जाने जाते है लेकिन बहुत कम लोग जानते है कि 1921 में उनको नोबेल Prige Theory of Relativity के लिए नहीं बल्कि Photo Electric Effect की खोज के लिए दिया गया था। उनकी मृत्यु के बाद डॉ. थॉमस हार्वे ने Einstein के दिमाग को 20 साल तक Reaserch के लिए जार में रखा। Research में पता चला कि उनके दिमाग में आम इंसान से ज्यादा Cells है यही वजह थी कि उनका दिमाग असाधारण सोचता था। एक साल 1952 में Einstein को California Institute of Technology में ceremony में invite किया गया वे अपनी पत्नी के साथ वहां गये वहां उन्होनें उस समय बताया कि इस दूरबीन ने ब्रम्हाण्ड के रहस्य का पता लगाते है तब Einstein की पत्नी ने कहा बड़ी अजीब बात है मेरे पति तो ये सब उनको मिली चिट्ठियों के पन्ने पर ही कर लेते है। Einstein चाहते तो और जी सकते थे अपने आखिरी समय में जब वो बीमार थे Docters ने Operation करना चाहा लेकिन उन्होने मना कर दिया कि अब जिन्दगी को मशीनों के सहारे चलाना बेकार है मैं अपनी जिन्दगी जी चुका हूं। Artificial तरीके से जीने में मजा नहीं।

सिद्धी साहू
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

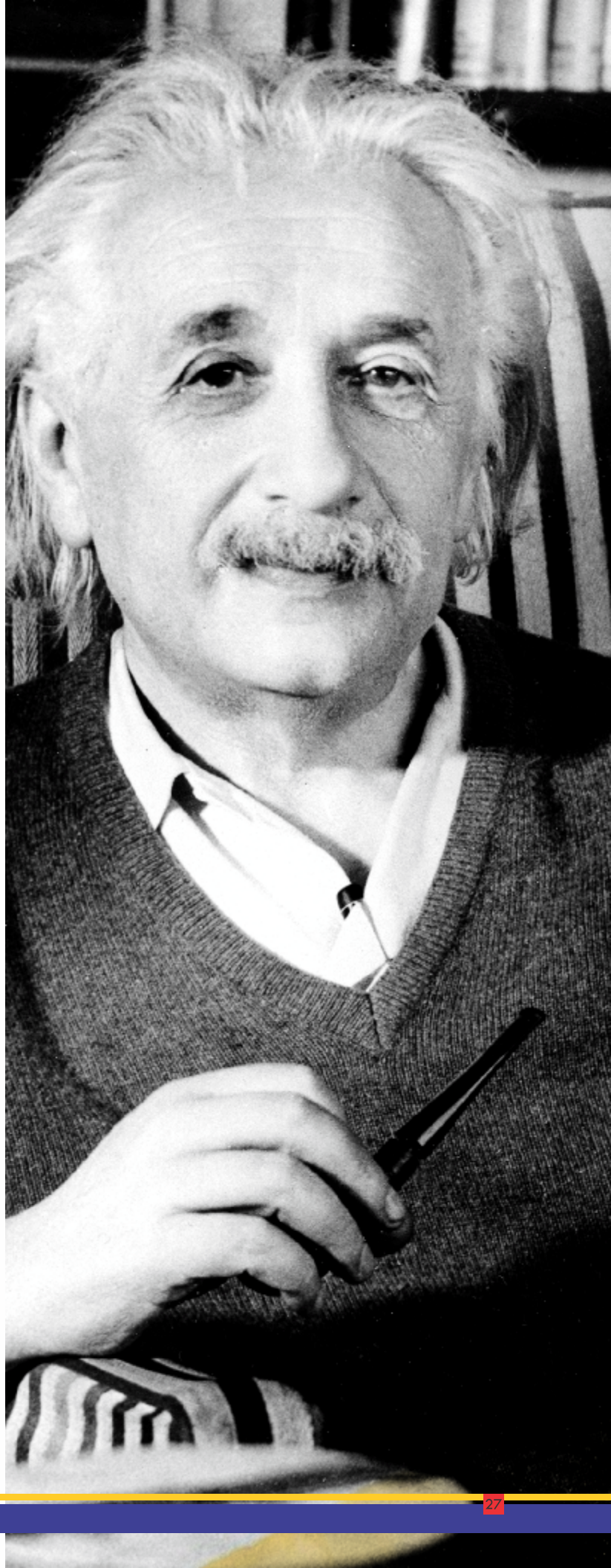

''जिन्दगी''

कभी हँसाती है, कभी रुलाती है,
ये जिन्दगी है, जो जीना सिखाती है।

कभी गड्ढे में गिराती है,
और कभी उससे ही बचने का रास्ता दिखाती है,

कभी उतार है, कभी चढ़ाव है,
पर रोने के बाद जो हँसने का मजा है वो ये सिखाती है,
ये जिन्दगी है, जो जीना सिखाती है।

जिनकी ऊँगली थामें चले थे अब तक,
अब उनको दुनिया दिखाती है,
ये जिन्दगी है, जो जीना सिखाती है।

चंचल चंद्राकर
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''नौकरी''

बड़ी हसीन होगी तु, ऐ ! नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते है।

सुख-चैन खोकर चटाई पर सोकर,
सारी रात जगकर पन्ने पलटते है
दिन में तहरी और रात को मैगी
आधे पेट ही खाकर तेरा नाम जपते है
सारे युवा आज तुझपे ही मरते है।

अंजान शहर में छोटा सस्ता रकम लेकर
किचन, बेडरुम सब उसी में सहेज कर
चाहत में तेरी अपने माँ-बाप और दोस्ती से दूर रहते है,
सारे युवा आज तुझपे ही मरते है।

राशन की गठरी सिर पे उठाये
अपनी मायूसी और मजबुरियां खुद ही छुपाये
खचाखच भरी ट्रेन में,
बिना टिकट रिस्क लेके आज सफर करते है,
सारे युवा आज तुझपे ही मरते है।

इंटरनेट, अखबारों में तुझको तलाशते
तेरे लिए पत्र-पत्रिकाएं पढ़ते-पढ़ते
बत्तीस ताल तक के जवान कुंवारे फिरते है।

तु कितनी हसीन है ऐ नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते है।

खिलेशवरी पटेल
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''भारतीय नोबल पुरुस्कार TRICK''

Trick : ''रवि सर हमारे सुबह आम ना बिके

1. रवि : रविन्द्रनाथ टैगोर (Rabindranath Tagore in literature) 1913...

2. सर :सर चन्द्रशेखर वेंकटरमन (Sir chandrasekhara venkata Raman in physics) 1930 ...

3. ह :हरगोविंद खुराना (Hargobind khorana in medicine) 1968 ...

4. मारे : मदर टेरेसा (Mother Teresa in peace) 1979...

5. सुबह : सुब्रम्हाण्यम चन्द्रषेखर (Subrahmanyam Chandrasekhar in physics) 1983....

6. आम : अमर्त्य सेन (Amartya Sen in economics) 1998 ....

7. ना :वी.एस. नायपाल (विद्याधर सूरज प्रसाद नायपाल) (V.S. Naipaul in Litrature) 2001 ...

8. वि : वेंकटरमन रामाकृष्ण (Venkatraman Ramakrishan in chemistry) 2009...

9. के : कैलाश सत्यार्थी (Kailash Satyarthi in peace) 2014 ...

सुरेखा यादव
बी. एस. सी. द्वितीय वर्ष

DON'T JUDGE A PERSON BY THEIR APPEARANCE

हर किसी ने यह कहावत सुनी है कि ''कभी भी किसी किताब को उसके कवर से जज न करे'' जब हम किसी व्यक्ति को पहली बार देखते है तो हममें से अधिकांश लोग बाहरी दिखावे को ही देखते है और उनके अनुसार उसके चरित्र का एक संक्षिप्त निष्कर्ष निकालते है। लोगों को कई कारकों जैसे उनके बाहरी स्वरुप उनके रंग उनके धर्म और उनके दृष्टिकोण के आधार पर आंका जाता है। इन्हीं कारको के आधार पर हम उस व्यक्ति को जज कर लेते है। महिलाओं के चरित्र को हमेशा से उनकी सुंदरताओं से मापा जाता है। इसका एक अच्छा उदाहरण हम यह देखते है कि हम सब मानुषी छिल्लर को जानते है क्योंकि इन्होने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता है। और विदेश में हमारे भारत की शान बढ़ायी है परन्तु इसकी दूसरी ओर हम राही जीवन सरनोबत नाम की महिला जिन्होनें न केवल अगस्त 2018 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीत कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया बल्कि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में डबल शूट कर एक नया वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। एशियाई खेलो में भी भाग लेकर इन्होने भारत का नाम रोशन किया। लेकिन इनके इस उपलब्धि पर किसी की भी नजर नहीं गयी।

हमारी मीडिया व पत्रिकाये भी इन्हीं सब चीजों पर बढ़ावा देती है जिससे लोगों का आत्मविश्वास और कम होते जा रहे है और वे खुद को दूसरे से कम आंक रहे है मैं केवल इतना कहना चाहती हूं कि हमें किसी भी इंसान या किसी चीज के बारे में राय कायम करने से पहले हमें उसके गुणों को देखना चाहिए। हमें सिक्के के दोनों पहलुओं पर गौर करना चाहिए। हम सब भगवान की बनाये हुई कृति है और मनुष्यों को भी केवल दूसरो के बाहरी आवरण को देखकर उसके चरित्र का निर्धारण नहीं करना चाहिये।

शीतल मिश्रा
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''बदलता स्वरुप''

न जाने मेरे गांव में तब से बादल क्यों नहीं छाए है,
बड़ी बड़ी मशीने लिए जब से शहर वाले आए है।

अब तो इस नल से कोई पानी भी नहीं पीता है,
जब से बाजारु पानी के उन्होनें फायदे गिनाये है।

टीवी पर नेताजी का क्या मस्त भाषण आता है,
पूछिये नेताजी से क्या कभी खुले धूप में आये है।

मोबाईल लेकर हर युवा ये धरा बचाने निकला है,
अरे साहिब ! क्या कभी हकीकत में पेड़ लगाये है।

पेड़ के विनाश से ही विकास का पहिया चलता है,
ऐसे - ऐसे फरमान तो ए.सी. वाले कमरों से आये है।

इस मानव जाति से अपनी धरती नहीं संभलती है,
सुना है कुछ लोग तो चांद का भी नाप ले आये है।

कनिका धीवर
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

ALWAYS REMEMBER YOUR PAST

आप दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति को तो जानते ही होंगे उनका नाम है बिल गेट्स। एक दिन बिल गेट्स अपने दोस्तों के साथ एक होटल पर खाना खाने गये। जब उन्होने खाना खा लिया तो वेटर बिल लेकर आया। बिल गेट्स ने खाये हुए खाने का बिल दिया और साथ में वेटर को अच्छी सर्विस देने के लिए 10 डॉलर टीप भी दिया। उसके बाद वो लोग होटल से निकलने लगे तो वेटर उनकी तरफ देख रहा था ये बात उनको समझ में आ गयी थी इसलिये उन्होने वेटर से पूछा क्या हुआ भाई मुझे ऐसे घूर क्यों रहे हो ? वेटर ने जवाब दिया कि सर माफ कीजियेगा लेकिन कुछ दिन पहले आपकी बेटी इस होटल में खाना खाने आयी थी, जाते वक्त उन्होने 100 डॉलर टीप दी थी और आप उनके पिता दुनिया के सबसे अमीर आदमी होते हुये भी आपने मुझे सिर्फ 10 डॉलर टीप दी ऐसा क्यूं ? तभी थोड़ा हंसकर बिल गेट्स ने जवाब दिया कि हाँ भाई क्योंकि वो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की बेटी है, मगर मैं एक गरीब किसान का बेटा हूं मुझे मेरा अतीत हमेशा याद रहता है और वही मेरा मार्गदर्शक है मैं उसे कभी नहीं भूलना चाहता।

ये छोटी सी कहानी हमें यह बताती है कि जिन्दगी में हम चाहे कितने भी बड़े हो जाए अपने अतीत को हमेशा याद रखना चाहिए। और याद रखिए कि जिन्दगी में कुछ ऐसा कर जाओ जमीन पर बैठने पर उसे लोग बड़प्पन कहे ''औकात'' नहीं।

शिवानी बाजपेयी
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''तेरी मेरी कहानी''

न तू तू रहा।
न मैं, मैं रहा।
मिल जाए हम दोनों।
तो बता क्या रहा ?

इस सुलझी अनसुलझी पहेली की तरह ही है, तेरी मेरी कहानी।

यहां तेरी का मतलब है - ''हमारा समाज'' और मेरी हर उस अकेले इंसान की कहानी है, जिसकी सोच की जंग ये समाज है।

आज हम तो बदल जाए पर शायद इस समाज और इससे जुड़े लोगों की सोच को बदलने में कामयाब न हो सके। आज हर इंसान अपनी जिन्दगी में आगे बढ़ कुछ कर दिखाने का जज्बा रखता है और उसमें इतना सामर्थ्य भी होता है पर एक ऐसी स्थिति उसे घेरे खड़ी रहती है, जहां उसे अपने बढ़ते कदम और अपनी सोच पर भी अंकुश लगाना पड़ता है, और उसके आगे कोई स्थिति परिस्थिति नहीं खड़ी होती है। ये समाज और इस समाज से जुड़ी रुढ़ीवादी सोच जिसका अंग आप और हम जैसे इंसान ही है। अब देखिए न्यूयार्क में पत्नी बढ़ी अजयिता जिन्होने वहां स्नातक किया। यदि वह चाहती तो वहां रहकर एक सफल युवती बन सकती थी। परन्तु उन्होने अपने देश के बारे में सोचा और यहां आकर कार्य करना प्रारंभ किया। आज क्रंटियर इनोवेशंस फाउंडेशन की अध्यक्ष है, दुनिया भर के 450 युवा उद्यमी आज उनसे जुड़े है।

सब सोचिये यदि हमसे कोई लंदन अमेरिका में पढ़कर भारत में बस कर देश को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करे तो हमारे समाज के रुढ़ीवादी सोच रखने वाले कहेंगे देखो बस पैसे बरबाद करके आई है। पता नहीं पढ़ाई करने गई थी या कुछ और। पढ़ाई - लिखाई कहां की होगी गुल छर्रे उड़ाए होंगे तभी विदेश में पढ़कर भी यहां काम कर रही है। ये है अपना समाज और इसकी सोच जहां पर लोगों के द्वारा सोचे उच्च विचारों की नहीं तुच्छ विचारों को ज्यादा मान्यता दी जाती है। प्रत्येक सक्षम मनुष्य केवल इसी डर से स्वयं से आगे बढ़कर सोचना ही नहीं चाहता हमारे वेदों में लिखा गया है - ''वसुदैव कुटुम्बकम'' मगर समाज ने मनुष्य को जैसे खुद के परिवार तक सीमित रहने का नोटिस दे दिया हो। मैं ये नहीं कहती कि सभी ऐसे है, कुछ लोग ऐसे भी है। जो दूसरों के स्वप्न को पूरा करने का अपने देश को आगे बढ़ाने का जज्बा रखते है। पर जब तक दुनिया की इस भीड़ से आप निकलकर आगे नहीं आयेंगे, ये जज्बात धरे के धरे रह जायेंगे। अपनी ख्याली विचारों को पंख दीजिये। लोगों की सुनना छोड़ अपने मन की बात सुनने की कोशिश कीजिए फिर देखिएगा आप किस तरह चैन सुकुन की सांस लेकर जीते है। और दूसरों के जीने की मिसाल बनते है।

इस तेरी मेरी कहानी को छोड़कर हमारी कहानी निर्माण कीजिए अर्थात् अगर ये समाज आपकी सोच में अंकुश लगाए, आपका हाथ पकड़े तो उस हाथ को मत छुड़ाइये। उस हाथ को पकड़ आगे बढ़ते जाइये, जिससे न सिर्फ आप बल्कि ये समाज भी आप के रंग में रंग जायेगा।

अब सोंचना आपको है कि - ''आप समाज से है, या समाज आप से ?'' मैं और तुम के बीच खड़ी इस विचार रुपी दीवार को हटाइये और खुद से आगे बढ़कर देश के बारे में सोचिए ?

आज मैंने अपनी बात सामने रखी है,
आप भी तो मेरा साथ निभाइये।

पूजा देवांगन
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

POWER OF SUBCONSCIOUS MIND

मनोविज्ञान में मनुष्य के मन को अलग-अलग भागों के रुप में देखते है। मुख्य रुप से मन दो भागों चेतन मन और अव चेतन मन के रुप में बांटा गया है।

चेतन मन या अवचेतन मन का विभाजन कोई वास्तविक भौतिक आधार पर नहीं किया जाता बल्कि यह ताक एक मनोविज्ञान की अवधारणा है या मन की अवस्थाएँ है। इस अवधारणा को समझकर हम अपने जीवन में एक बड़ा परिवर्तन ला सकते है।

Subconscious Mind

चेतन मन हमारी चेतन या सक्रिय अवस्था है, जिसमें हम सोच विचार और तर्क के आधार पर निर्णय लेते है या कोई कार्य करते है।

अवचेतन मन एक Storage Room की तरह होता, वह जो हमारे सभी विचारों, अनुभवों, धारणाओं आदि को Store करता है। अवचेतन मन तर्क एवं सोच - विचार कर निर्णय नहीं लेता बल्कि यह हमारे पिछली अनुभवों एवं धारणाओं के आधार पर स्वचलित तरीके से कार्य करता है। चेतन मन और अवचेतन मन को एक उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है।

शुरुआत में जब व्यक्ति पहली बार साइकिल चलाना सीख रहा होता है तो वह अपना ''चेतन मन'' इस्तेमाल कर रहा होता है। लेकिन जब वह बार-बार साईकिल चलाने की Practice करता है, तो अब यह अनुभव उसके अवचेतन मन में Store होने शुरु हो जाते है।

सभी स्वचलित कार्यो जैसे सांस लेना, दिल धड़कना आदि कार्य अवचेतन मन के द्वारा ही किए जाते है। हमारी आदतें एवं रोजमर्रा के सभी कार्यो में अवचेतन मन का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

हमारा मन कैसे कार्य करता है ?

अवचेतन मन एक Software या Robot की तरह है Programming चेतन मन द्वारा की जाती है। अवचेतन मन एक रोबोट की तरह है जो स्वयं कुछ अच्छा बुरा सोच नहीं सकता, वो तो पहले ही की गई Programming के अनुसार स्वचलित तरीके से कार्य करता है। हमारे हर एक विचार का हमारे अवचेतन मन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है या यह कह सकते है कि हम जो कुछ भी सोचते है या करते है उससे हमारे अवचेतन मन की Programming होती जाती है और फिर बाद में धीरे-धीरे अवचेतन मन उस कार्य को नियंत्रित करने लगता है।

चेतन मन पूरे दिमाग का केवल 10 प्रतिशत होता है जिसमें

- इच्छा शक्ति (Will Power)
- याददाश्त (Memory)
- तर्क शक्ति (Logical Thinking)
- गंभीर सोच(Critical Thinking)

अवचेतन मन पूरे दिमाग का 90 प्रतिशत होता है जिसमें

- आदत (Habits)
- मान्यताएं (Beliefs)
- भावनाएं (Emotions)
- प्रति क्रियाओं (Reaction)
- मजबूत याददाश्त (Strong Memory)
- अंतज्ञान (Intuition)

चेतन मन को विचारों का चौकीदार या गेटकीपर भी कहा जाता है दरअसल यह हमारा विचार एक बीज की तरह है और हमारा अवचेतन मन एक बगीचे की तरह है। हमारा चेतन मन यह निर्णय करता है कि अवचेतन मन में कौन सा बीज बोना है और कौनसा नहीं।

हमारा अवचेतन मन गलत या सही विचारों पर फर्क नहीं करता जो विचार चेतन मन के द्वारा स्वीकार किया जाता है वह अवचेतन मन स्वीकार कर लेता है। इसलिए हमेशा अच्छे विचारों की अपनी आदतों में शामिल करना चाहिए।

मोनिका कुरे
बी. एस. सी. द्वितीय वर्ष

FAKE FEMINISM

Feminism ने आज ये भी सिखाया
छोरियों को बेचारिया, छोरियाँ ने ही बनाया
जिनको पढ़ना है वो पढ़ती है, पहाड़ अकेले चढ़ती है।
कुछ है जिनकों, बहानों के पल्लु ने छुपाया।

कंधो से कंधा मिलाकर चलना है तो चल दो न।
कोई मसला है तो हल दो न।।
हक की लड़ाई कहकर बेफिजूल झगड़ो न।
हक की लड़ाई कहकर बेफिजूल झगड़ो न।।

बाला जी में सोचो एकता ही न होती,
चांदे कल्पना की कल्पना ही न होती।
मुकाबले में मेरीकॉम ने, मुँह के बल न पेला होता।
सोंच अगर झाँसी की रानी, वीर नहीं सती होती।।

बहाने बनाकर पीछे हटना है आसान
मांगते नहीं छोरी कमाते है सम्मान।।
मांगते नहीं छोरी कमाते है सम्मान।।

टिकेशवरी वर्मा
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''ब्रम्हाण्ड के रोचक तथ्य''

1. ब्लैक होल ब्रम्हाण्ड में पाया जाने वाला ऐसा पदार्थ है, जो दिखता नहीं, पर इसके गुरुत्व का प्रभाव जरुर पाया गया है, तभी इसे श्याम पदार्थ का नाम दिया गया है।
2. पिनव्हील गैलेक्सी को मेसियर 101 भी कहते है, पिनव्हील गैलेक्सी, पृथ्वी से 5 करोड़ प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।
3. ज्यादातर आकाश गंगाओं का आकार अंडाकार है।
4. Abell 2029 ब्रम्हाण्ड की सबसे बड़ी आकाशगंगा है।
5. हमारे सौर मंडल का किनारा प्लूटो नहीं है, यह ओओर्ट है।
6. ब्रम्हाण्ड में सबसे जटिल वस्तु मानव मस्तिष्क है, जिसमें अरबों न्यूट्रांस है।
7. वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी से 40 प्रकाश वर्ष दूर हीरे का बना हुआ ग्रह है, जिसका नाम 55 Cancri-e है।
8. पृथ्वी के सबसे नजदीक ब्लैक होल 1,600 प्रकाश वर्ष दूर है।
9. सबसे पुराना ज्ञात सितारा 13.2 विलियन साल पुराना है, यह लाल विशालकाय HE 1523 . 0901 है।
10. नासा ने एक "Waterwold" नामक ग्रह की खोज की है, जो पृथ्वी से लगभग 40 प्रकाश वर्ष दूर है, परन्तु इस पर खतरनाक पदार्थ हो सकते है, जैसे "Hot Ice" और "Super fluid water"
11. अंतराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की लागत भारतीय रुपये में 10,000 खरब के लगभग है।
12. हमारी आकाकश गंगा का नाम मंदाकिनी (Milkyway) है।
13. Dinosaur के युग में 22 घंटे का दिन हुआ करता था।
14. आकाश गंगा की एक परिक्रमा को पूरी करने में सूर्य को इस लम्बी अवधि को ब्रम्हाण्ड वर्ष या कॉस्मिक ईयर के नाम से जाना जाता है।
15. हमारी पृथ्वी से 33 प्रकाश वर्ष दूर एक exoplanet है, जो पूरी तरह से जलती बर्फ से ढका हुआ है।
16. गैलेलियों वह पहला शख्स था, जिसने टेलिस्कोप से अंतरिक्ष को अपनी आंखो से देखा था।
17. द लार्ज मेगालीनिक क्लाउड : यह आकाश गंगा सभी आकाश गंगाओं से सबसे ज्यादा चमकदार है। यह केवल दक्षिणी गोलार्थ में ही दिखेगी। यह धरती से 1.7 लाख प्रकाश वर्ष दूर है और इसका ब्यास 39,000 प्रकाश वर्ष है।
18. धनु बौनी आकाशगंगा इस आकाश गंगा की खोज 1994 में हुई थी और यह सभी आकाशगंगाओं से धरती के सबसे करीब है, यह धरती से 70,000 प्रकाश वर्ष दूर है।
19. आकाशगंगा को चीन में ''चांदी की नदी'' कहते है।
20. हमारी आकाशगंगा के सबसे नजदीकी आकाशगंगा का नाम देवयानी या एन्ड्रोमिडा है।
21. हाल ही में भारतीय वैज्ञानिकों ने आकाशगंगाओं का एक नया समूह खोजा है, जिसका नाम उन्होने सरस्वती रखा है।
22. आकाशगंगा की अनुमति आयु 13.2 अरब साल है।
23. हमारी आकाश गंगा सर्पिलाकार है।
24. हमारी आकाश गंगाओं में 80 प्रतिशत आकाश गंगाएं सर्पिलाकार 17 प्रतिशत दीर्घवृत्ताकार तथा 2 प्रतिशत अनियमित आकार की होती है।

डॉली साहू
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''कोशिश''

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।

अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा,
मरुस्थल से भी फिर जल निकलेगा।

मेहनत कर पसीने से सीच मिट्टी
बंजर में भी फिर फल निकलेगा।

ताकत जुटा, हिम्मत कर, साहस बढ़ा
फौलाद का भी बल निकलेगा।

उम्मीदों को जिंदा रख, आत्मविश्वास का दीपक जला।
समंदर से भी फिर गंगाजल निकलेगा।।

कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की।
जो कुछ थमा-थमा है चल निकलेगा।।

कोशिश कर हल निकलेगा।
आज नहीं तो कल निकलेगा।।

दीपा टंडन
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''सतकर्म''

ऐ मानव सतकर्म किए जा सफलता तेरे आगे आयेगी
ये दुनिया तुझे हर कदम पर आजमाएगी
मेरा कहना मान, मेहनत कर, मेहनत कर
देख लेना एक दिन सबके दिलो पर राज करेगा,
अंत में जीत तेरी होगी।।
बस तु सतकर्म किये जा, सतकर्म किये जा
दिखा तु इस दुनिया को,
न तु कभी रुका है न रुकेगा।
न झुका है, न झुकेगा।।
जब तक मंजिल करीब नहीं आ जाती
ये जुनुन की आग सीने में जलाये रखना,
क्योंकि ये दुनिया तुझे हर कदम पर अजमायेगी
मेरा कहना मान, न रुकना, न झुकना,
बस चलते जाना, चलते जाना।।
मेरा कहना मान ले इस दुनिया की तु पहचान ले,
यह कदर तेरी तभी करेगी, जब तु कुछ बन जायेगा।।
आगे चलते जाना, पीछे मुड़के न देखना
दुनिया वाले तेरे कदम रोकेंगे, लेकिन तु याद रखना
तु न कभी रुका है, न रुकेगा।
न झुका है, न रुकेगा।।
मंजिल की सीढ़ी चढ़ते वक्त तेरे पैरों को खींचने वाले बहुत मिलेंगे
लेकिन आगे ढकेल कर मंजिल तक पहुंचाने वाले बहुत कम
इसलिए तु सतकर्म किये, सतकर्म किये जा
सतकर्म किये जा ।।

युक्ती दुबे
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''चन्द्रयान -2 प्रमुख घटनाएं''

चन्द्रयान-2 या द्वितीय चन्द्रयान, चन्द्रयान के बाद भारत का दूसरा चन्द्र अन्वेषण अभियान है जिसे भारतीय अनुसंधान संगठन (इसरो) ने विकसित किया है। अभियान को जीएसएलवी संस्करण 3 प्रक्षेप यान द्वारा प्रक्षेपित किया गया। इस अभियान में भारत निर्मित चन्द्रयान में एक रोवर व एक लैंडर है। इस सबका विकास इसरो द्वारा किया गया है। भारत ने चन्द्रयान-2 को 22 जुलाई 2019 को श्री हरिकोटा रेंज से भारतीय समयानुसार 02:43 अंतराल को सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया।

''चन्द्रयान -2 की कहानी''

1. 12 जून को इसरो के अध्यक्ष के. सिवन ने घोषणा की, कि चन्द्रमा पर जाने के लिये भारत के इसरो मिशन चन्द्रयान-2 को 15 जुलाई को प्रक्षेपित किया जाएगा।
2. 29 जून को सभी परीक्षणों के बाद रोवर को लैंडर विक्रम से जोड़ा गया।
3. 29 जून को लैंडर विक्रम को ऑर्विटर से जोड़ा गया।
4. 7 जुलाई को चन्द्रयान-2 को प्रक्षेपणयान से जोड़ने का काम पूरा किया गया।
5. 7 जुलाई को जीएसएलवी एम के तृतीय एम-1 को लाँच पैड पर लाया गया।
6. 15 जुलाई को इसरो ने महज एक घंटे पहले प्रक्षेपणयान में तकनीकी खामी के कारण चन्द्रयान-2 का प्रक्षेपण टाल दिया।
7. 18 जुलाई को चन्द्रयान-2 के प्रक्षेपण के लिए श्री हरिकोटा के इसरे लाँच पैड से 22 जुलाई को दोपहर दो बजकर 43 मिनट का समय तय किया गया।
8. 21 जुलाई को जीएसएली एमके तृतीय एम-1 चन्द्रयान-2 के क्षेपण के लिए उल्टी गिनती शुरु हुई।
9. 22 जुलाई को जीएसएलवी एमके तृतीय एम-1 ने चन्द्रयान-2 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।
10. 24 जुलाई को चन्द्रयान-2 के लिए पृथ्वी की कक्षा पहली बार सफलतापूर्वक बढ़ाई गई।
11. 26 जुलाई को दूसरी बार पृथ्वी की कक्षा बढ़ाई गई।
12. 29 जुलाई को तीसरी तथा 2 अगस्त चौथी बार पृथ्वी की कक्षा बढ़ाई गई।
13. 4 अगस्त को इसरो ने चन्द्रयान-2 उपग्रह से ली गई पृथ्वी की तस्वीरों का पहला सैट जारी किया।
14. 6 अगस्त को पाँचवी बार कक्षा बढ़ाई गई तथा 14 अगस्त को चन्द्रयान-2 ने सफलतापूर्वक ''लूनर ट्रांसफर ट्रेजेक्टरी'' में प्रवेश किया।
15. 20 अगस्त को चन्द्रयान-2 सफलतापूर्वक चन्द्रमा कक्ष में पहुंचा।
16. 22 अगस्त को इसरो ने चन्द्रमा की सतह से करीब 2.650 कि.मी. की ऊँचाई पर चन्द्रयान-2 के एल आई 4 कैमरे से ली गई चन्द्रमा की तस्वीरे का पहला सैट जारी किया। 21 अगस्त को चन्द्रमा की कक्षा को दूसरी बार बढ़ाया गया।
17. 26 अगस्त को इसरो ने चन्द्रयान-2 के टेरेन मैपिंग कैमरा -2 से ली गई चन्द्रमा की सतह की तस्वीरे के इसरे सैट को जारी किया।
18. 28 अगस्त को तीसरी बार तथा 30 अगस्त को चौथी बार चन्द्रमा की कक्षा बढ़ाई गई।
19. 1 सितंबर को पांचवी व अंतिम बार चन्द्रमा की कक्षा बढ़ाई गई।
20. 2 सितंबर को लैंडर विक्रम सफलतापूर्वक ऑर्बिटर से अलग हुआ।
21. 3 सितंबर विक्रम को चन्द्रमा के करीब लाने के लिए पहली डी ऑर्बिटिंग प्रक्रिया पूरी हुई।
22. 4 सितंबर को इसरी डी-ऑर्बिटिंग प्रक्रिया पूरी हुई।
23. 7 सितंबर को लैंडर ''विक्रम'' को चन्द्रमा की सतह की ओर लाने की प्रक्रिया 2.1 कि.मी. की ऊँचाई तक सामान्य और योजना के अनुरुप देखी गई लेकिन बाद में लैंडर का संपर्क जमीनी स्टेशन से टूट गया।

2. 1 कि.मी. पर टूटा संपर्क चाँद से 2.1 कि.मी. की दूरी तक लैंडर से संपर्क बना रहा था। इसके बाद वैज्ञानिक लैंडर से दुबारा संपर्क नहीं साथ पाए। इसरो का कहना है कि लैंडिंग के अंतिम क्षणों में जो डाटा मिला है उसके अध्ययन के बाद ही संपर्क टूटने का कारण पता चल सकेगा। इस मौके पर इसरों के बैंगलुरु स्थित मुख्यालय में मौजुदे रहे प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिकों से अपडेट लिया। इसरों प्रमुख सिवन जब पीएम को अपडेट दे रहे थे, तभी वैज्ञानिकों ने सांतवना में उनकी पीठ थपथपाई।

उम्मीदें अब भी कायम लैंडर रोवर के संपर्क भले ही टूट गया लेकिन ऑर्बिटर से उम्मीदें अभी भी कायम है। लैंडर रोबर को दो सितंबर को ऑर्बिटर से सफलतापूर्वक अलग किया गया था। ऑर्बिटर अब भी चांद से करीब 100 कि.मी. की दूरी पर कक्षा में सफलतापूर्वक चक्कर लगा रहा है। इसरो को उससे संकेत और जरुरी डाटा प्राप्त हो रहें है।

''चन्द्रयान-2 के अंतिम पल''

- 1:38 बजे रफ ब्रेकिंग की प्रक्रिया शुरु हुई। इसकी प्रोग्रामिंग पहले से चन्द्रयान में की गई थी।
- 1:40 बजे जब चांद की सतह से 30 कि.मी. दूर मौजूद विक्रम लैंडर ने नियंत्रित रुप से उतरना शुरु किया।
- 1:40 बजे जब चन्द्रयान ने चांद की सतह पर उतरने की शुरुवात की उसकी रफ्तार 6 कि.मी. प्रति सेकण्ड मतलब 21600 कि.मी. प्रति घंटे थी।
- 1:48 बजे रफ्तार धीमी करने को फाइन ब्रेकिंग शुरु इसकी भी प्रक्रिया पहले से चन्द्रयान में प्रोग्राम की गई थी।
- 1:48 बजे जब फाइन ब्रेकिंग प्रक्रिया शुरु हुई। चन्द्रमा से लैंडर की दूरी मात्र 7.4 कि.मी. थी।
- 1:51 बजे लैंडर से आंकड़े मिलने बंद हो गए।

इसरो ने कई प्रयास के बाद मध्य रात्रि करीब सवा दो बजे बताया कि लैंडर विक्रम से संपर्क टूट गया है। यह एक झटका जरुर था लेकिन इसरों में मौजूद पीएम मोदी ने वैज्ञानिकों को भरोसा बढ़ाया और यह भारत के लिए ऐतिहासिक दिन था। चाँद पर उतर रहे लैंडर विक्रम भले ही संपर्क टूट गया लेकिन सवा अरब भारतीयों की उम्मीदें नहीं टूटी। मूल मिशन भले पूरा नहीं हुआ लेकिन इस अभियान के जरिये इसरो ने जो उपलब्धियाँ हासिल की है वह भारत के लिए गर्व की बात है।

मोक्षदा साहू
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''चन्द्रयान''

चन्द्रयान की टीम ने देखो।
कैसा अद्‌भुत काम किया।।
युगो-युगो से सूत कातती।
अम्मा को आराम दिया।।

यही चांद मांगा करता था।
मोटा एक झिंगोला।।
इसी चांद का मुंह टेढ़ा था।
यही था वो अलबेला।।

अब भैय्या से जिद ना करेंगे।
बाल कृष्ण मुस्काएंगे।।
चंद खिलौना हाथ में लेकर।
लीला नयी रचायेंगे।।

और हम भी अब पास से जा कर।
देखेंगे बस घर के।।
और ना कहेंगे चंदा को हम।
चंदा मामा दूर के।।

खिलेशवरी पटेल
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''धारा - 370''

संदर्भ-

अनुच्छेद 370 भारत के संविधान में 17 अक्टूबर 1949 को शामिल किया था। यह अनुच्छेद जम्मू कश्मीर को भारत के संविधान से अलग करता है और राज्य को अपना संविधान खुद तैयार करने का अधिकार देता है। केन्द्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए जम्मू-कश्मीर राज्य से संविधान का अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य का विभाजन दो केन्द्रशासित क्षेत्रों जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 2019 पारित कर दिया है। अब राज्य में अनुच्छेद 370(1) ही लागू रहेगा, जो संसद द्वारा जम्मू-कश्मीर के लिए कानून बनाने से संबंधित है।

क्या है धारा - 370-

भारतीय संविधान की धारा 370 जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा प्रदान करती है। धारा 370 भारतीय संविधान का एक विशेष अनुच्छेद यानी धारा है, जो जम्मू-कश्मीर को भारत में अन्य राज्यों के मुकाबले विशेष अधिकार प्रदान करती है। भाग-21 का अनुच्छेद 370 जवाहर लाल नेहरु के विशेष हस्तक्षेप से तैयार किया गया था। इसलिए संघीय संविधान सभा में गोपालस्वामी आयंगर ने धारा 306ए का एक प्रारुप पेश किया। यही बाद में धारा 370 बनी। जिसके तहत् जम्मू-कश्मीर को अन्य राज्यों से अलग अधिकार मिले है।

धारा 370 हटने के पश्चात् जम्मू-कश्मीर में आया मुख्य परिवर्तन कुछ इस प्रकार है -

पहले	अब
जम्मू-कश्मीर को विशेषाधिकार दोहरी नागरिकता	कोई विशेषाधिकार नहीं एकल नागरिकता
जम्मू-कश्मीर के लिए अलग झंडा आर्टिकल 356 लागू नहीं आरटीआई लागू नहीं	तिरंगा आर्टिकल 356 लागू आरटीआई लागू
विधानसभा का कार्यकाल 6 साल के लिए	केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा का कार्यकाल 5 साल
अल्पसंख्यों को कोई आरक्षण नहीं	अल्पसंख्यक आरक्षण के योग
दूसरे राज्य के लोग जम्मू कश्मीर में जमीन या प्रापर्टी नहीं खरीद सकते।	दूसरे राज्य के लोग जम्मूकश्मीर में जमीन या प्रापर्टी खरीद सकते है।

ईशा साहू
बी. एस. सी. तृतीय वर्ष

''स्कूल से कॉलेज का सफर''

लो अब सफर शुरु हो गया।
मेरे स्कूल से कॉलेज तक का फासला जरा कम सा हो गया।
वो स्कूल का बड़ा भारी बैग,
ढेर सारी किताबें और लम्बा सा होमवर्क,
जो कॉलेज में अब लेपटॉप, टेबलेट, मोबाईल
इन सब में सिमट सा गया है।

लो अब सफर शुरु ....
स्कूल का एक ही जैसा ड्रेस बोर करने लगा या,
वही कॉलेज में क्या पहनूं ? क्या न पहनूं ?
यह Confusion घेरे रहता है।
स्कूल की वो दो चोटी, Miss सा हो गया,
क्योंकि कॉलेज में वो Different look में आना अच्छा लगने लगा है ....

लो अब सफर शुरु ....
वो स्कूल की शीत क्लासरुम
वो कॉलेज की बकबक और लेक्चर में बदल सा गया है
वो स्कूल के पास के रामू चाचा के समोसे की महक
अब कॉलेज के जलाराम कैन्टीन में महकने लगी है।
वो 20 मिनट का Lunch Break भी कम सा लगने लगा है।

लो अब सफर शुरु ....
वो कॉलेज में आना लेक्चर Attend करना,
Theorem समझ न आने पर भी समझ आए ऐसा शकल बनाना।
हमारी शरारतों पर नजर है रखता,
बसें से लेकर Ground तक, Third Umpire कैमरा हमारा।

लो अब सफर शुरु ....
जो सपने देखे ये स्कूल में,
वो कॉलेज में मुकम्मल होने सा लगा है।
Teacher's का प्यार और अपने हुनर से पहचानने लगी है।
इस साल College के Final में आते आते,
ये स्कूल से कॉलेज तक का फासला खत्म होने लगा है।

लो अब सफर शुरु हो गया ....
मेरे स्कूल से कॉलेज तक का फासला जरा कम सा हो गया।

मोनिका ध्रुव
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

स्कूल की यादें . . .

हम सब इस स्कूल लाइफ को
अलविदा कहने वाले हैं
और कालेज जाने वाले हैं लेकिन
उससे पहले चलो स्कूल की
कुछ पुरानी यादों को
ताजा कर लें
एक दिन फुरसत से पहली कक्षा
से लेकर 12वीं क्लास की
बातों को सोचकर हंस
लिया जाए.......

कहाँ आयेंगे अब वो स्कूल के अनमोल दिन,
कहां होगा वो यूनिफार्म की दो चोटी
और वो अनुशासन, नहीं मिलेंगे हम उन
दोस्तों से ऐसे जैसे स्कूल में मिलते थे,
नहीं मनायेंगे वो टीचर्स-डे, वो रिपब्लिक-डे
वो इन्डिपेन्डेस-डे, नहीं मना पायेंगे वो
पहचान जो स्कूल में रहकर बनाए थे,
नहीं कहलाऐंगे हम स्कूल के स्टूडेंट्स,
वो गेम्स, वो फन्स, वो डाँस या फिर
किसी का रोमैन्स बहुत मिस करेंगे हम
इन मस्ती को, वो प्रेयर को वो
शॉर्ट रिसेस और लॉन्ग रिसेस को,

हाय! वो रोज का आना - जाना,
उफ! वो बैग का वजन उठाना,
वाव् वो बारिश में भीगना
उफ् वो गर्मी,
नहीं करेंगे वो टिफिन के साथ मस्ती
वो नास्ते के साथ सेल्फी
वो रुठना - मनाना, 2 दिन बातें ना करना
वो गले मिलकर रोना, अपनी बातें शेयर करना, वो गर्मी छुट्टी आने का बेसब्री से इन्तजार करना, वो इक्जाम का टेंशन, वो बुक न लाने का बहाना, वो स्कूल से भाग कर जाना, रिजल्ट आने का डर, वो टीचर की डाँट, वो टीचर का प्यार,

वो किसी से झगड़ा करना, झगड़ा होने पर बचपन में जीभ दिखाना,
वो सुकुन में गिरना, 15 अगस्त, 26 जनवरी को रैली में जाना,
जोर - जोर से नारे बुलावाना, क्लास में हल्ला करना,
वो डस्टर से मारना, चॉक को चुराना, हाय! वो कॉपी कम्प्लीट करना,
उफ! वो Questions याद करना, वो फेल होने का डर,
वो पास होने की खुशी, वो किसी से पंगा लेना,
या किसी को चिढ़ाना, खुद को स्कूल का डॉन समझना,
बहुत डपे करेंगे हम इन्हें

काश! वो दिन फिर वापस आ जाते जिन्हें हम पीछे छोड़ चले है,

सच ये दिन भी पहले की तरह जन्नत हो जाते ......

मोनिका देवांगन
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

सांस्कृतिक झलकियाँ

शिक्षक दिवस कार्यक्रम

वार्षिक उत्सव

इकोक्लब गतिविधि

राष्ट्रीय सेवा योजना गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना गतिविधियाँ

क्रीड़ा गतिविधियाँ

अंर्तमहाविद्यालयीन क्रीड़ा प्रतियोगिता

अतिथी आगमन

साहित्यिक गतिविधियाँ

योग दिवस

इको क्लब गतिविधियाँ

इंटरसेक्टर टेबल-टेनिस रायपुर चैम्पियन

शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी भिलाई में हुई प्रतियोगिता

स्टेट इंटर सेक्टर टेबल टेनिस : रायपुर की ब्वॉयज टीम ने मारी बाजी

टेबल टेनिस में रायपुर सेक्टर ने जीता खिताब, फाइनल में दुर्ग को दी मात

पर्यावरण को बचाने सड़कों पर उतरे सैकड़ों

'अपनी शक्ति का सकारात्मक प्रयोग करें'

दो कॉलेज, 12 संस्थाओं ने निकाला पृथ्वी बचाओ मार्च

गुरुकुल में रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच मना शिक्षक दिवस

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में रक्तदान सप्ताह का आयोजन

इंतजार न करें, खुद पहल करें : अमिताभ दुबे

बूंद-बूंद पानी...संरक्षित करें तो बच सकती है जिंदगानी

फास्ट फारवर्ड

पीएम की स्पीच से ली सीख, सेहत बनाने में रहेंगे आगे

पृथ्वी बचाओ मार्च में एक दर्जन से अधिक संस्थाओं ने लिया हिस्सा

पर्यावरण बचाओ-धरती बचाओ के नारों से गूंजा मरीन ड्राइव

एनएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

नरैया तालाब को साफ किया और नो पॉलिथीन की ली शपथ

सामान्य ज्ञान के विजेता को लाइब्रेरी से सालभर के लिए मिलेंगी किताबें

सीनियर्स के संग जमकर थिरकीं जूनियर्स

हाई बीट्स पर म्यूजिक के साथ गुरुकुल कॉलेज में फ्रेशर पार्टी का आयोजन

टेटे: रायपुर सेक्टर की मेंस टीम चैंपियन, वुमेंस अंतिम-4 में हारी

हिंदी का व्यापक स्वरूप विषय पर भाषण देकर शीतल ने जीती प्रतियोगिता

शिक्षा के विकास के साथ ही जीवन में बढ़ते हैं नैतिक मूल्य

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में आयोजन

स्ट्रीट प्ले से दिया मैसेज- एन्वायरमेंट के लिए खतरा है प्लास्टिक, बंद करें इस्तेमाल

गुरुकुल महाविद्यालय में स्वागत समारोह

कॉलेज के प्रथम दिन से लेकर अंतिम पल तक, नृत्य में समेटा हर लम्हा

गुरुकुल गर्ल्स कॉलेज में शुक्रवार को प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए वेलकम पार्टी आयोजित की गई। यहां छात्राओं ने रैम्प वॉक कर जलवे बिखेरे वहीं पारंपरिक और वेस्टर्न परिधान में डांस किया।

गेम में दिखाया दम

शिखा बनीं फ्रेशर

प्रियंका को मिला मिस गुरुकुल का खिताब

रायपुर | गुरुकुल गर्ल्स कॉलेज ने फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स के लिए रंग मंदिर में सेलिब्रेशन रखा। यहां स्टूडेंट्स ने बैलून डांस, बैलून पंचिंग, फास्ट डांस इन स्लो सॉन्ग जैसी एक्टिविटी में हिस्सा लिया। रेड, व्हाइट और ब्लैक ड्रेसकोड में फैशन शो भी हुआ इसमें कैटवॉक, क्वेश्चन-आंसर जैसे राउंड में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले स्टूडेंट्स को विनर चुना गया। मिस गुरुकुल का टाइटल प्रियंका केवट को मिला। मिस फ्रेशर लीसा साहू और मिस प्रिंसेज ओशिन साहू बनीं। यशोदा ने रीमिक्स सॉन्ग पर डांस और दुर्गा साहू ने सिंगिंग परफॉर्मेंस दी।

महाविद्यालय परिवार

(प्रथम पंक्ति में - दायें से)	डॉ. वंदना अग्रवाल, डॉ. अमिता तेलंग, डॉ. सीमा चन्द्राकर, प्राचार्य डॉ. संध्या गुप्ता, डॉ. राजेश अग्रवाल, डॉ. रिंकु तिवारी, श्रीमती अदिति जोशी
(द्वितीय पंक्ति में - दायें से)	डॉ. पदमा सोमनाथे, डॉ. सिमरन आर. वर्मा, डॉ. सीमा साहू, डॉ. दीपशिखा शर्मा, आशिया परवीन, श्रीमती आकांक्षा राठौर, श्रीमती रुकमणी दिग्रस्कर, पूनम कटंकार, सोनल पंडा, देवश्री वर्मा, अंजली देवांगन, श्रीमती कविता सिलवाल
(तृतीय पंक्ति में - दायें से)	श्रीमती मोनिका साहू, श्रीमती सारिका देवांगन, अंशिका दुबे, मनीषा कटारिया, श्रीमती टीनू दुबे, शुभांगी दुबे, राजनंदिनी साहू
(चौथी पंक्ति में - दायें से)	श्रीमती रेणु गिडियन, श्रीमती संगीता साहू, श्री सुधाकर प्रसाद मिश्रा, श्री मनोज कुमार साहू, श्री कमलेश्वर निर्मलकर, श्री हरीश साहू
(पाचवी पंक्ति में - दायें से)	श्री छबिराम साहू, श्री गौकरण साहू, श्री रामा साहू, श्री वैभव सिंह ठाकुर, श्री शैलेन्द्र यादव, श्री प्रवीण बंछोर, श्री प्रशांत पान्डे

स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन

पूर्व अध्यक्ष

देश के सुविख्यात ठुमरी गायिका शिक्षाविद्, साहित्य की पोषक स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन में बाल्यावस्था से ही संगीत के प्रति समर्पित भावना दिग्दर्शित होने लगी थी। श्रीमती सेन में अनेक ऐसे गुण विद्यमान थे जिनके कारण वे अत्यंत लोकप्रिय रही है।

सत्यम् शिवम् सुन्दरम् के अतिरिक्त संगीत साधना एवं पति आराधना की प्रवृत्ति से ही सुर लय ताल का एक ऐसा संगम निर्मित हुआ जहाँ संगीत की स्वर लहरियाँ उनके जीवन में प्रगति और सफलता की अनूठी मिसाल बन गई।

एक पात्र के रुप में पुनीता, विदुषी और विभिन्न उत्कृष्ट उपमाओं से अलंकृत स्व. डॉ. श्रीमती अनीता सेन भले ही सशरीर हमारे साथ नही हैं, किन्तु आजीवन उनकी स्मृति हमारे मानस पटल पर अमिट रहेगी।

GANGREL DAM

LAXMAN TEMPLE

JATHMAI GHATARANI

गुरुकुल महिला महाविद्यालय

गुरुकुल परिसर कालीबाड़ी रायपुर छ.ग.
फोनः 0771 4053443